राज
कामिक्स
विशेषांक
संख्या 49
नागराज का अंत

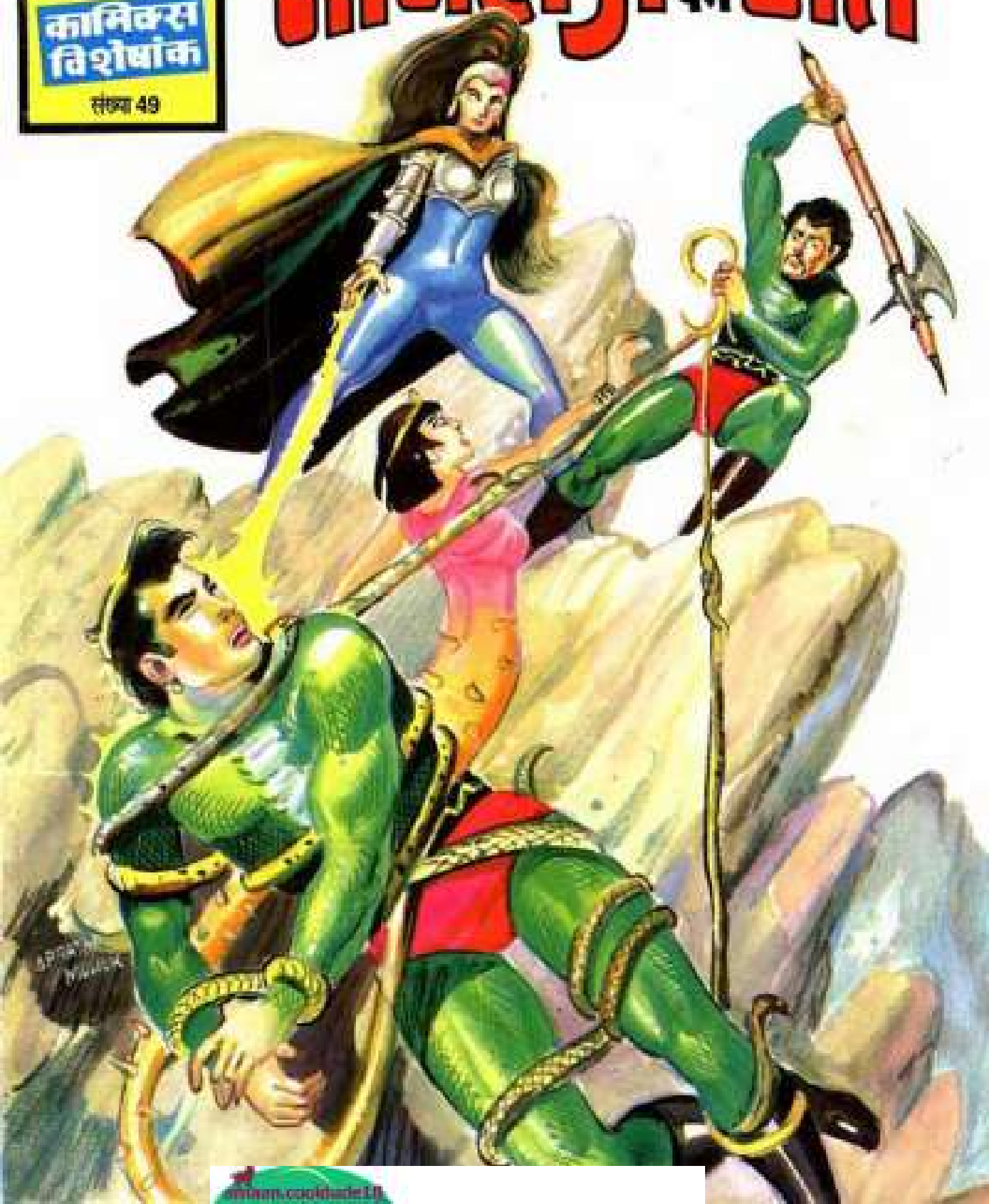

देखने वाले थाम लें, अपने-अपने धड़कते दिल-
और जो नहीं देख सकते, वे बंद कर लें अपनी-अपनी भयभीत आंखें- क्योंकि अब होने वाला है...
नागराज का अंत
लेखक: अनुपम सिन्हा, हनीफ अजहर • चित्र: अनुपम सिन्हा • इंकिंग: विनोद कुमार-सुरेश • सुलेख: सुनील पाण्डेय • संपादक: मनीष गुप्ता
हा हा हा... अब तुम्हारा मौत से बचना असंभव है नागराज, क्योंकि जिस गोंद से तुम जाले के साथ चिपके हुए हो, उससे तुम तभी छूट सकते हो जब तुम्हारे शरीर से तुम्हारी सारी खाल उतार दी जाए। हा हा हा।
ओह! तो विष मिलर के कहने पर मानसी ने मुझे यहां ला फंसाया है। लेकिन उसने ऐसा क्यों किया, यह मैं उससे जरूर पूछूंगा तब, जब मैं यहां से बचकर निकल आऊंगा।
लेकिन ऐसा होगा कैसे? क्योंकि कुछ पलों बाद ही दो मिनट पूरे हो जाएंगे...
...और ऐसा होते ही मेरा निशाना लेकर मौत की गई लेजर गनें चलेंगी, और मुझे राख में बदल डालेंगी।

अचानक - बिजली सी कौंध गई नागराज के मस्तिष्क में—
ख्याल ! मिस किलर के शब्दों में मेरे बचाव का तरीका छुपा हुआ है, मैं बच सकता हूं अगर मैं, गोंद से चिपकी अपनी खाल उतारने में सफल हो जाऊं तो...
...और ऐसा कर लेना मेरे लिए मुश्किल नहीं है—
...क्योंकि मैं सर्पों की विशेषताओं वाला मानव हूं। सर्पों के सभी गुणों के साथ-साथ मुझमें यह भी गुण है...
...कि मैं अपनी केंचुली बदल सकता हूं। अब सिर्फ इतना ही करना है...
...कि मैं अपनी बेल्ट के अंदर सूक्ष्म रूप में रखा ओवरकोट, जूते, बेल्ट आदि निकालकर पोशाक बदल लूं।
और फिर उछलकर, गोंद से बिना छुए, दीवार पर चिपक जाऊं।
2

mlaan.coolbadest

कुछ ही कदम आगे बढ़ने के बाद बुरी तरह चौंका—
ओह! सामने से हटता स्टील की मोटी चादर से बंद हो गया...
...पीछे वाला भी!
खट्
मैं डब्बेनुमा कमरे में बंद हो चुका हूं। लेकिन मुझे यहां बंद क्यों किया गया है?
नागराज को अब अपने सवालों का जवाब मिला तो उसके सारे जिस्म में एक सर्द सिहरन दौड़ गई—
ओह! दोनों तरफ की दीवारों से भाले निकल रहे हैं, जो कुछ ही पलों में आपस में मिल जाएंगे...
—और अगर मैं यहां खड़ा रहा तो ये भाले मेरा कीमा बनाकर रख देंगे।
लेकिन मैं इनसे बचूं कैसे? यहां न तो कोई दरवाजा है न खिड़की।
अब तो मुझे अपने को बचाने के लिए ऊपर की तरफ बढ़ना होगा।
और ऐसा मैं करूंगा इस लोहे की दीवार पर सर्प की भांति ऊपर की तरफ रेंगकर। ओह!
ओफ्फ! इस लोहे की दीवार में करंट प्रवाहित करके किस किसी ने इस बात का पुख्ता इंतजाम कर रखा है कि मैं दीवार पर रेंगकर ऊपर की तरफ न बढ़ सकूं।
ऊपर कोई ऐसी जगह भी नहीं है जहां मैं सर्परस्सी का फंदा अटकाकर ऊपर की तरफ चढ़ जाऊं।

लेकिन ऊपर की तरफ बढ़ना तो होगा ही, और ये काम फिलहाल सिर्फ तेगों पर चढ़कर ही हो सकता है...
...और तेगों पर चढ़ने से मेरे हाथों को कोई नुकसान न पहुंचे इसके लिए मुझे अपनी बेल्ट की मदद लेनी होगी।
नागराज ने तुरन्त ही अपनी कमर से बेल्ट अलग की...
...और उसे दो टुकड़ों में बांटकर उन्हें अपने हाथों में लपेटा—
और उससे कहीं ज्यादा तेजी से एक व दूसरे की तरफ बढ़ रहे थे तेगे—
और फिर—
तेजी से एक-दूसरे की तरफ बढ़ते तेगे आपस में मिलें, मुझे उससे पहले ही ऊपर पहुंचना है।
मौत को मात देने के लिए तेजी से ऊपर की तरफ बढ़ रहा था नागराज—
लेकिन फिर भी नागराज मौत के हाथों से जिन्दगी छीन लेने के लिए जी जान से जुटा हुआ था—

नागराज के प्रयास को देखती मिस किलर ने एक जोरदार ठहाका लगाया—
हा हा हा! और तेज और तेज नागराज...
नागराज—
शुक्र है मैं इन नेजों रूपी मौत को मात देकर यहां पहुंचने में सफल हो गया, और शुक्र है इस बात का भी, यहां छत की दीवार पर करंट नहीं दौड़ रहा और ऐसा इसलिए हुआ कि मिस किलर को नेजों से बचकर मेरे यहां पहुंचने की कोई उम्मीद ना थी।
अब इस रोशनदान से बाहर निकलकर मुझे उसकी हर उम्मीदों पर पानी फेरना है। ऊंह!
रोशनदान उखाड़कर...
...देखें, जिन्दगी और मौत के इस खेल में तू जीतता है या मौत। हा हा हा!
कुछ पलों बाद ही मिस किलर के हलक से उबलते ठहाकों पर मानो 'ब्रेक' लग गए—
ये क्या? नागराज बच निकला!
...नागराज मंदिर से बाहर निकला—
आखिर मैं सफल हुआ! अरे... ये पीछे से आवाजें कैसी?

फुर्ती से उछला नागराज और बचा ली उसने अपनी जान –
उफ़!
घातक लेज़र किरणें...
...जल्द ही खतरे से बहुत दूर निकल आया–
मौत से यह रोमांचक लड़ाई मुझे हमेशा याद रहेगी।
नागरस्सी की सहायता से किसी कुशल नट की भाँति स्वर्ण की लेज़र किरणों से बचता नागराज...

तभी—
धड़ाााााम
मंदिर में हुआ यह धमाका यह साबित करता है कि अपनी असफलताओं को देखकर मिसकिलर पागल सी हो गई है।
बात ठीक वही थी—
बच निकला मेरे मौत के जाल से। बच निकला नागराज, लेकिन वह बचकर कहां जायेगा, मैं उसे छोड़ूंगी नहीं।
अब नागराज को खत्म करने के लिए मैं अपनी नई शक्ति का प्रयोग करूंगी...
नागराज—
यहां से सीधा मालती के घर पहुंचकर उससे मिलकर ये पता लगाना होगा कि आखिर वह मुझे मिसकिलर के जाल में फंसाने के लिए क्यों ले गई? क्या मजबूरी थी उसकी?
...लेकिन उसके लिए नागराज को वहां पहुंचना जरूरी है जहां मैं अपनी नई शक्ति का हाहाकारी ढंग से प्रयोग कर सकूं।
क्या थी मिसकिलर की नई शक्ति?
मालती के घर पहुंचा नागराज—
सारा घर खाली है, न तो मालती नजर आ रही है और न ही उसके परिवार का कोई सदस्य। कहां हैं सब?
मेरे पास!

miaan.coolbade...

mlaan.coolbadet.ll

मड आइलैंड! मैं जानता हूं वहां मिस किलर ने मेरे लिए मौत का एक नया जाल बिछा रखा होगा। लेकिन मेरा वहां पहुंचना बहुत जरूरी है, क्योंकि मालती और उसके परिवार वालों की जान खतरे में पड़ गई है। अगर उन्हें कुछ हो गया तो मैं अपने आपको कभी माफ नहीं कर पाऊंगा।
नागराज तुरन्त ही मड आइलैंड की तरफ रवाना हुआ—
GP
उन दो घूरती आंखों से बेखबर जो आश्चर्य-चकित उसे ही देख रही थीं—
मड आइलैंड—
कौन था वह?

नागराज आ पहुँचा था वहां—
चारों तरफ दलदल से घिरा वह छोटा सा टापू ही मड आइलैंड कहलाता है, जहां उस तोपके हैंगर से ही पहुंचा जा सकता है।
आ जा नागराज, आ जा। तेरी मौत तुझे यहां खींच ला रही है।
लोमड़ी की भांति मुस्कराती मिस किलर की अंगुलियां सामने स्थित हैंडल बोर्ड पर नृत्य कर उठीं—
इधर मड आइलैंड की जमीन पर पड़े नागराज के पांव—
यहां मुझे न सिर्फ मानवी को ढूंढना है बल्कि मिस किलर को भी देखना है और प्रयत्न करना है कि किसी तरह उसे सलाखों के पीछे पहुंचाने में सफल हो सकूं।

ये पीछे क्या है?
अपने पीछे आवाज सुनकर पलटा नागराज –
आंखें आश्चर्य से फट पड़ीं उसकी सामने के उस दृश्य को देखकर जो आठवें अजूबे से भी बड़ा अजूबा था –
ओह! दलदल के नीचे से निकले ये भयानक जानवर! जिनके शरीरों से घातक आधुनिक गनें बंधी हुई हैं।

ट्यूंम
...जिन से निकली किरणों का निशाना हूं मैं।
उफ! इस बार मिस किलर ने मुझे जहन्नुम रसीद करने का काफी भयानक तरीका अपनाया है, लेकिन ऐसे प्राणी मिस किलर के पास आए कहाँ से? इन्हें तो लुप्त हुए लाखों वर्ष बीत गए हैं।
इनसे मुकाबला किए बगैर अब मेरा गुजारा नहीं, लेकिन खाली हाथ इनसे कैसे मुकाबला होगा इसके लिए मुझे कोई हथियार तो चाहिए ही, और इन प्राणियों के शरीर से बंधे हथियारों से अच्छा हथियार कौन सा हो सकता है।
लेकिन इन हथियारों के लिए मुझे अपनी जान पर खेलना होगा।
नागरस्सी की सहायता से उछलकर एक प्राणी के पंजों से चिपट गया नागराज...
... और कुछ पलों बाद ही उसकी पीठ पर जा पहुंचा—

अब—
बस, हाथ में आते ही नागराज ने उसका इस्तेमाल करने में एक पल भी नहीं गंवाया—
दूसरा पल नागराज के लिए बेहद आश्चर्य जनक था—
नागराज की सोचों को उस तेज प्रहार ने भंग किया—
आह!
तड़ाक
धड़ाम से सिर के बल नीचे आ गिरा नागराज—
ओह! यह प्राणी तो तेजी से कीचड़ में बदलता जा रहा है, इसका मतलब जो जिन्हें लाखों वर्ष के जीवित प्राणी समझ रहा हूं वह कीचड़ के बने हुए हैं, लेकिन किस ने इनका निर्माण कैसे किया होगा?
अभी संभल भी नहीं पाया था कि उस पर एक और मुसीबत आ टूटी—
दलदल से निकले उस विचित्र से प्राणी की भुजाएं नागराज के शरीर से आ लिपटीं—
इन भुजाओं का मेरे शरीर पर कसाव धीरे-धीरे बढ़ रहा है। मुझे इनसे स्वयं को तुरंत आजाद करना होगा।

* अदृश्य मानव के बारे में जानने के लिए पढ़िए 'अदृश्य हत्यारा'

maan.coolbaba

नागराज और अदृश्य मानव का प्रयास तेजी से रंग ला रहा था—
उफ्फ! ऐसे ही लगे रहे दोनों, इनकी संख्या तेजी से घटती आ रही है।
ऐसा नहीं होगा, क्योंकि मैं इस घटती संख्या को जितनी तेजी से चाहूं बढ़ा सकती हूं...
...और इसके लिए मुझे सिर्फ अपनी उंगलियों को थोड़ी सी तकलीफ देने की जरूरत है।
उधर कई स्विच दबे...
खट
...और इधर—
ओह! ये क्या? दलदल से तो और बहुत से भयंकर प्राणी निकल कर बाहर आ रहे हैं।
ओह!

अगर ये इसी तरह निकलते रहे तो इन्हें खत्म करने की जगह हम खुद ही खत्म हो जाएंगे।
हां, ऐसा ही होगा, लेकिन अगर हम इनके निकलने के स्रोत को ढूंढकर उसे खत्म कर दें तो...
तुम्हारा सोचना एकदम ठीक है नागराज, मैं इन प्राणियों के निकलने के स्रोत को दलदल में ढूंढने का प्रयास करता हूं...
...तुम मेरी गन की सहायता से इन्हें समाप्त करना जारी रखो।
गन की सहायता से नागराज उन प्राणियों को खत्म करने में जुट गया—
और अदृश्य मानव उर्फ प्रोफेसर श्रीकान्त वर्मा—
दलदल का वह स्थान उन भयंकर प्राणियों के निकलने का स्रोत है। लेकिन उसमें क्या रहस्य छिपा है यह जानने के लिए मुझे अपनी जान पर खेलना होगा!
हैं हम

अपने कपड़े मुझे उतारने होंगे। वर्ना ये मेरे हाथ-पैर चलाने में बाधक हो सकते हैं।
प्रोफेसर श्रीकान्त वर्मा ने अपने कपड़े उतारे —
दूसरे ही क्षण—
एक लंबी सांस लेकर कूदा प्रोफेसर श्रीकान्त वर्मा—
छपाक!...
दलदल में गहरे तक धंसता चला गया—
ओह! दलदल के अंदर तो कुछ नजर नहीं आ रहा है। सिर्फ छूकर ही महसूस किया जा सकता... और... मेरे हाथों से कुछ टकरा रहा है...
...मोटा पाइप लगता है! कम से कम पांच फुट चौड़ा।
और... औ... अरे! इसमें तो एक ढक्कन लगा हुआ है। पर क्यों? मुझे इसको पूरी ताकत लगाकर खोलना होगा।
ढक्कन खोलकर पाइप के अंदर प्रवेश कर गया अदृश्य मानव और फिर दरवाजा अपने आप बंद हो गया—
वाह! दलदल के अंदर मोटा पाइप! और इसके अंदर सांस लेने योग्य हवा। यह जरूर किसी जीनियस वैज्ञानिक का काम है।
और वह जीनियस वैज्ञानिक ही नागराज का दुश्मन है।

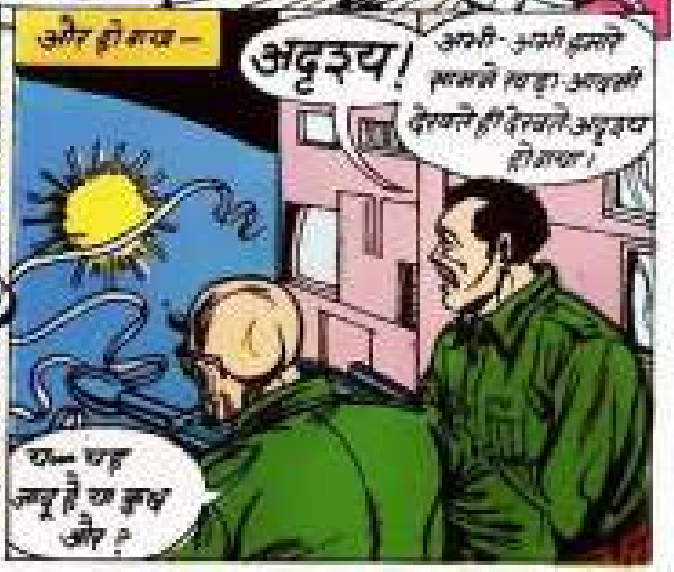

ओह! नागराज का यह मददगार वायुयान के रास्ते हैडक्वार्टर में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा है। इसके स्वागत की तैयारी करनी होगी वह बचकर नहीं जाना चाहिए।
प्रोफेसर श्रीकान्त एक आसान ही वृष्टि में आ पहुंचा था–
दलदल के नीचे बनी यह जगह भी साबित करती है कि इसे जिसने भी बनाया है, वह उत्कृष्ट वैज्ञानिक दिमाग का स्वामी होगा लेकिन वह है कौन?
यह जानने का तुम्हें मौका नहीं मिलेगा...
...क्योंकि इससे पहले ...लाश बनकर जमीन पर पड़े होगे।
ओह! राजनीति... यानी इन्हें मेरे आगमन की खबर हो गई है। अब इनसे बचने के लिए मुझे...
अदृश्य होना पड़ेगा।
तेजी से अपने शरीर से पट्टियां उतारता चला गया प्रोफेसर श्रीकान्त–
और हो गया–
अदृश्य!
अभी-अभी हमारे सामने खड़ा आदमी देखते ही देखते अदृश्य हो गया।
यह... यह जादू है या कुछ और?

miaan.cooldude1

mian.cooldude1

सिस किलर ने एक भयानक अट्टहास लगाया—
हा हा हा! आखिर तू मेरे शब्द जाल में फंस गया। मैं पहले से ही यह प्लान बनाकर आई थी कि जैसे ही तू बोलेगा, मेरा रोबोट आवाज की दिशा में अत्यधिक चिपचिपी टेप रस्सी फेंककर तुझे चिपका लेगा जिससे एक बार नागराज जैसे शक्तिशाली को भी बेबस कर डाला था।
और हां, इस टेप रस्सी से छूटने का ख्याल अपने दिमाग से निकाल देना...
...क्योंकि जब तक स्याही नाम स्प्रे इस पर नहीं डालेगा तब तक तुम इससे किसी भी हाल में नहीं छूट सकते और उस स्प्रे की मदद से मैं तुम्हें तब तक इस टेप रस्सी से नहीं छुड़वाऊंगी जब तक तुम्हें अपना गुलाम नहीं बना लेती।
लेकिन तुम्हारा खात्मा करने से पहले मैं तुम्हें उन सवालों का जवाब दे देना चाहती हूं जिनकी तलाश में तुम अपनी जान पर खेलकर यहां तक आ पहुंचे...
...तुम यही सोच रहे थे कि लाखों वर्ष पहले के इस दलदल से जीवित होकर कैसे निकल रहे हैं इसका सा जवाब यह है कि मैं वर्षों मेहनत से एक ऐसी अद्भुत को बनाने में सफल हो गई थी किसी भी प्राणी के को
...उसे वैसा ही कृत्रिम रूप दे देता है जैसे उसका स्वरूप था। चूंकि लाखों वर्ष पुरानी इस दलदल में प्राचीन प्राणियों के कण काफी अधिक मात्रा में मौजूद हैं इसलिए अद्भुत मशीन कीचड़ में मौजूद अजीबो-गरीब रासायनिक प्रक्रियाओं से क्रिया करके उन प्राचीन प्राणियों को नया रूप दे रही है।
अपनी इस अद्भुत मशीन की बदौलत मैं सारी दुनिया पर राज करूंगी और तुम मेरे गुलाम बन कर मुझे भरपूर सहयोग दोगे।
तुम्हारा सोचा शायद पूरा हो जाता सिस किलर...

... अगर तुम्हारी साथुक स्क्रीन से जिन्दा हुआ प्राचीन प्राणी मुझे मार डालने में सफल हो जाते।
अपने आतुल सर्प नागनाथ की सहायता से जिसे मैंने चुपके से अदृश्य मानव के पीछे इसलिए भेज दिया था कि अगर उस पर कोई मुसीबत आए तो वह मुझे तुरंत खबर करे...
... और अपने इस काम को नागनाथ ने बखूबी अंजाम दिया। जैसे ही अदृश्य मानव संकट में फंसा नागनाथ वहां से निकलकर मेरे पास आ पहुंचा और मुझे दलदल में स्थित यहां आने रास्ते से लेकर यहां आ गया।
नागराज तुम! तुम... तुम यहां कैसे आ पहुंचे?
ओह! मेरा ध्यान कुछ पलों के लिए कंट्रोल पैनल से हटा और तुम उसका फायदा उठाकर यहां आ पहुंचे।
लेकिन यहां तुम्हारी एक नहीं चलने वाली नागराज! मैंने अपने चमत्कारी मोंडोट की वह फौज एक बार फिर तैयार कर ली है जो एक बार तुम्हारी वजह से खत्म हुई थी। इस बार तुम उनसे नहीं बच सकोगे।
पलभर में ही मोंडोट की फौज ने नागराज को घेर लिया...
तेरी मौत के साथ-साथ मैं न केवल नागराज की हत्यारी के नाम से जानी जाऊंगी बल्कि मायापाश के विशाल तिलिस्मी खजाने की स्वामिनी भी बन जाऊंगी। हा हा हा!
मायापाश! कौन है ये मायापाश?
सोच में डूबे नागराज को...

अगले ही पल उछल आया पड़ा —
जो भी सोचना है उसे बाद में सोचूंगा। पहले रोबोटों की इस फौज से निपटने की सोचूं, जिनमें से एक का भी वार लगता तो शायद मैं इनसे निपटना आखिरकार ही भूल जाऊंगा।
पिछली बार जीजी के रोटी गरम से की बदौलत मैं इनसे बच गया था लेकिन इस बार क्या करूं, इनके सामने अपने सर्प सैनिकों को बाहर निकालना तो बेवकूफी होगी क्योंकि ये सभी इन्हें तुरन्त ही चिपका देंगे।
तो फिर क्या करूं! इनसे कैसे निपटूं?
सोच ही लिया नागराज ने रोबोटों से निपटने का तरीका —
इनकी शक्ति इन्हीं के विरुद्ध इस्तेमाल करूं, तो बात बन सकती है। लेकिन इसके लिए मुझे अत्यधिक फुर्ती...
...और चपलता की जरूरत है...
...और जरूरत है सही समय पर सही वार करने की।

सुपर गोंद की मदद से एक-दूसरे से चिपके ये दोनों गोंडोइस तो अब जीवन भर नहीं छूटने वाले!
इसलिए अब मुझे अपना सारा ध्यान इस टेप रस्सी फेंकने वाले इन दोनों पर लगाना चाहिए!
धाड़
इन दोनों की टेप रस्सी भी अगर इन्हीं के शरीर से लिपटे तो बात बने। लेकिन इसके लिए मेरी तरफ बढ़ती टेप रस्सी का उनकी तरफ बढ़ना जरूरी है... और ये काम मेरा यह उड़न सर्प बखूबी अंजाम देगा!
नागराज के शरीर से निकले इस उड़ने वाले सर्प...
...ने टेप रस्सी को हवा में ही अपने मुंह में दबोचा —
और —
शाबाश, मेरे जांबाज सिपाही!
पलभर में ही चिपचिपी टेप का बड़ा ढेर बने नजर आए दोनों गोंडोइस —

mian.cooldude

उड़न शिखर मिलना सिंह की भांति अचानक नागराज कंट्रोल रूम में पहुंचा—
मिस किलर तो यहां कहीं नजर नहीं आ रही। कहां गई वह?
और मेरे साथ मौजूद है... तेरी मौत! तूने दलदल के रास्ते यहां पर आकर अपनी मौत का रास्ता खुद चुन लिया है...
...दलदल में से गुजरकर यहां पर आते समय, तेरे शरीर के कुछ कण भी दलदल में मिल गए थे...
...और उन कणों को समेटकर, मेरी अद्भुत 'आकृति-मशीन' ने बना दी है तेरी मौत!
मैं यहीं मौजूद हूं नागराज!
ओह! दलदल के कीचड़ से बना मेरा ही प्रतिरूप!

नागराज ने पहला वार, खुद करने का फैसला कर लिया था –
धाड़.
यह मेरा प्रतिरूप काफी खतरनाक लग रहा है। इससे पहले कि यह मुझ पर हमला करे, मैं इसको काबू में ...
आह!
नागराज को ऐसा लगा, मानो उसने अपना पैर, चट्टान पर दे मारा हो–
और प्रतिरूप के वार ने उसके दिमाग का पुर्जा-पुर्जा हिलाकर रख दिया–
आsss ह!
धाड़.
हा हा हा! यह तो मैं तुमको बताना भूल ही गई नागराज, कि इसका शरीर पत्थर सा सख्त है। और इसमें शक्तियाँ भी तुम्हारे जैसी ही हैं...
...फर्क सिर्फ इतना है कि तुम्हारे हाथ से असली सर्प निकलते हैं, और इसके हाथों से...
...कीचड़ के सांप! इसका मुझ पर क्या असर होगा, यह मुझे नहीं पता। मुझे इससे बचना होगा।

नागराज ने, नागों का जवाब नागों से दिया, लेकिन—
ओह! मेरी सर्प सेना को इन कीचड़ के सांपों ने बेबस कर दिया है। अब तो सिर्फ एक ही रास्ता है...
...कि मैं इसको विष फुंकार से बेहोश कर दूं!
लेकिन नागराज की विष-फुंकार ने प्रतिरूप को नुकसान पहुंचाने की बजाय...
...प्रतिरूप की उसकी नाक और आंखें पाट दिया दी—
ओह! इसके मुंह से तो विष-फुंकार के स्थान पर कोई गैस निकल रही है। जो मुझ पर बेहोशी का सा असर कर रही है!
नागराज का मस्तिष्क कुछ पलों के लिए संज्ञा-शून्य हो गया, और उसकी गर्दन एक शिकंजे में कस गई—
अंह!

नागराज ने अपने मस्तिष्क पर छाती बेहोशी को झटककर, अपनी पूरी ताकत जुटाई और–
धड़ाम
लेकिन प्रतिरूप न केवल फुर्ती से उठ खड़ा हुआ, बल्कि उसने नागराज को एक घातक जकड़ में कैद कर लिया–
आह!
इसका नागपाश मेरे शरीर की सारी शक्ति खींच रहा है!
मेरी ताकत खत्म... आहह!
और कक्ष मिस किलर के ठहाके से गूंज उठा–
हा हा हा! खत्म हुआ नागराज का खेल हमेशा के लिए। हा हा हा!
धीरे-धीरे नागराज के गले से निकलती आवाज भी बंद हो गई, उसका शरीर शांत हो गया–
अब मिस किलर, 'नागराज किलर' बन गई है!
अब नागपाशा का खजाना भी मेरा होगा, और अंडरवर्ल्ड का साम्राज्य भी! हा हा हा!

ऐसा है तो मेरी किक भी तुम ले लो, मिस किलर!
तड़ाक
आऊ! नागराज, तुम जिन्दा हो! पर ये हुआ कैसे? नागपाशा ने तुम्हारी शक्ति सोखनी बन्द कैसे कर दी?
सॉरी मिस किलर! मैं तुम्हें यह नहीं बता सकता क्योंकि मुझे खुद नहीं मालूम कि ऐसा कैसे हुआ?
किसी से कुछ पूछने की जरूरत नहीं है मिस किलर!...
धाड़
...अगर एक बार मेरी तरफ देख लोगी तो खुद-ब-खुद समझ जाओगी।
अद्भुत मानव, तुम नागपाश मशीन पर! और प्रतिरूप को तुमने स्विच दबाकर निष्क्रिय कर दिया।
लेकिन इस हालत में तुम यहां कैसे आ पहुंचे?
अपनी इच्छा शक्ति के बल पर, जो तब प्रकट हो उठी जब मेरे कानों में तुम्हारी दर्दनाक चीखें पड़ीं—
उफ्! नागराज की जान खतरे में है। ऐसे में मैं ही उसे बचा सकता हूं... लेकिन मैं ऐसा करूंगा कैसे, मेरे शरीर पर तो टेप ऐसी बुरी तरह चिपकी हुई है।
मेरे लिए यह बहुत बड़ी समस्या थी—

miaan.cooldude

mian.cooldude18

ठीक कहते हो नागराज! लेकिन ये शुभ काम तुम अपने हाथों से ही पूरा करो!
पर पहले मुझे नीचे उतार लो!
नागराज की शक्ति का अद्भुत नमूना था, उस लाइफ मशीन को तोड़ना—
चलो, अब अपना काम खत्म हुआ!
अभी नहीं दोस्त, अभी तो हमको मालती और उसके परिवार वालों को ढूंढ़ कर उन्हें आजाद करना है और फिर मिसकिलर को जेल पहुंचाना है।
लेकिन पहले इन सबसे जरूरी एक काम...
...तुम्हें इस एंटी गम स्प्रे की सहायता से टेप रस्सी से आजाद करवाना।
एंटी गम स्प्रे
टेप रस्सी छूटने के साथ ही अदृश्य हो गए प्रोफेसर श्रीकांत—
मैं तुम्हारे इस सहयोग को जीवन भर नहीं भूलूंगा दोस्त!
कोई बात नहीं नागराज! मुझे तो तुम्हारी सहायता करके खुशी ही हुई है!
फिर नागराज ने मालती और उसके परिवार वालों को आजाद कराया—
मुझे माफ करना नागराज, मेरी वजह से तुम...
मुझे तुमसे कोई शिकायत नहीं है मालती! तुम्हारी जगह मैं भी होता तो वैसा ही करता।
आओ अब आपका चलें, क्योंकि अभी मेरी तलाश पूरी नहीं हुई है और मेरी तलाश तुम्हारी सहायता के बिना पूरी हो भी नहीं सकती!
फिर सभी हंसी-खुशी वहां से रवाना हुए—

mian.coolbuddy

जिस तस्वीर के सामने रुकी वह था —
नागदंत —
नागराज-
मैं नागमणि द्वीप छोड़कर सदा के लिए आधुनिक दुनिया में रहने के लिए आ गया हूं, लेकिन इस दुनिया में अगर मैं नागराज के रूप में रहा तो मेरे दुश्मन अपराधी मुझ पर हमला करने से बाज नहीं आयेंगे।
और ऐसा होने पर मेरे इर्द-गिर्द रहने वाले लोगों पर कभी भी कोई भारी संकट आ सकता है। चूंकि मैं ऐसा नहीं चाहता इसलिए मुझे इस नागराज के रूप को त्यागकर किसी अन्य रूप में इस दुनिया में रहना होगा।
और अपने उस रूप के लिए मुझे अपनी सौगंध तोड़कर इच्छाधारी शक्ति का सहारा लेना होगा।
नागराज!
नागराज की सोचों को वहां पहुंची मानसी ने भंग किया—
तुम्हें अपने सपनों के मंदिर को खोजने के लिए मध्य प्रदेश में स्थित खजुराहो जाना होगा। नागराज मेरा अनुमान कहता है कि वहां मौजूद सैकड़ों प्राचीन मंदिरों में तुम्हें तुम्हारे सपनों का मंदिर जरूर मिलेगा।
ठीक है मानसी, मदद के लिए धन्यवाद। फिर अगर तुम्हारी जरूरत पड़ी, तो मैं तुमसे जरूर मिलूंगा।
मानसी से विदा लेकर निकल पड़ा नागराज—
यहां से जल्द से जल्द खजुराहो पहुंचने के लिए मुझे विमान पकड़ना है, और उसके लिए मुझे पहुंचना है बंबई के सहार इंटरनेशनल एयर पोर्ट।
तभी एक झटके से रुक गई टैक्सी—

जिसका कारण... ठीक टैक्सी के सामने खड़ा नजर आया नागराज को —
ये कौन है, और इसने क्यों रोकी टैक्सी?
भाग बेटा, वरना आज के बाद टैक्सी क्या अपने हाथ-पांव भी नहीं चला पायगा।
नागराज अभी सोचता ही रह गया...
...और सामने वाले ने वार भी कर दिया —
ये जानने के लिए इसके वारों से बचकर...
धम
...और अपने वार करके इसे उन सवालों का जवाब देने के लिए मजबूर करना होगा!
धाड़
ओह! राक्षस से खतरनाक हो गया ये खूंखार! लेकिन क्यों?

ओह! मेरे वार से तो इसका फन्दा और कस गया।
बेहद तेज हुआ उसका वार...
... मुझे उस पर हमला कर देना चाहिए।

अब इसे संभलने का मौका देना बेवकूफी होगी।
... एक साथ ही अपना विष उसके शरीर में भर दिया—
फुस्स
नागराज के हाथ से छूट पड़े सर्पों ने ...
अपना काम कर सभी सर्प वापस नागराज के जिस्म में समा गए—
ये आपदा मरने के लिए ही मेरे सामने आया था!
फिर नागराज दूसरी टैक्सी पकड़कर एयरपोर्ट पहुंचा—
AIRPORT
DEPARTURES
GATE NO. 1
प्लेन द्वारा कुछ ही घंटों का सफर तय करके नागराज बंबई से पहुंचा...
खजुराहो!
सैकड़ों प्राचीन मंदिरों के लिए वर्षों से प्रसिद्ध मेरे सपनों का मंदिर मुझे जरूर यहीं कहीं मिलेगा।

उस सुनसान मंदिर की तरफ बढ़ते नागराज के कदम अचानक उस आवाज ने ठिठकवा दिए—
ठहर जा, नागराज!
यहां कौन आ गया मुझे इस रूप में पहचानने वाला!
मैं नागफन! और ये जानकर तुझे सख्त हैरानी होगी नागराज कि तुमको पहचानने वाला ये नागफन इस दुनिया से तेरी पहचान खत्म करके ही जाएगा!
ये तो इच्छाधारी नागमानव है, लेकिन इससे मेरी क्या दुश्मनी है, और इसको मेरे यहां होने का पता कैसे ...
तड़ाक
... चला! आऽऽह!
भीषण प्रहार किया था नागफन ने—
अब तो नागराज को शुरू होना ही था—
तेरे बारे में बहुत से सवाल मेरे मस्तिष्क में घुमड़ रहे हैं नागफन, और मुझे उम्मीद है तू उनके जवाब बिना पिटे नहीं देने वाला!
नागराज के वार से उलट गया नागफन—
क्रोधित नागफन ने आश्चर्यजनक तरीके से एक भारी चट्टान को अपने फन से उठा लिया—
नागराज, जरा सोच के बतला कि ये भारी चट्टान तेरा कीमा बनाएगी या कचूमर निकालेगी!

ओह! ये मुझ पर चट्टान फेंकने आ रहा है! नागरस्सी पर झूलकर बचना होगा। और उसके लिए निकालने होंगे नाग... अरे!
...अगर सोचता ही रह जाता तो फिर कुछ सोचने लायक न रह गया होता—
उफ्! बाल-बाल बचा! मुझे अपनी नागशक्तियों का फिर परीक्षण करके देखना होगा।
ये क्या? दर्जनों फुट लंबी नाग रस्सी निकलने की बजाए मेरे शरीर से सिर्फ एक ही नाग निकला है। उफ! क्या हो रहा है ये?
सोच में डूबा हुआ नागराज...
इस बार तो और भी गजब हो गया—
एक भी नाग नहीं निकला... नागशक्ति बिल्कुल खत्म!
उफ! क्या हुआ... क्या हुआ है... मेरी नाग शक्तियों को? क्यों मेरे शरीर से बाहर नहीं निकल रही वे?
किसी और तरीके से इस नागफन को वश में करना होगा! और वह काम करेगा मेरा यह ओवरकोट!
नागराज ने बिजली की सी फुर्ती से नागफन के घातक फन को, ओवरकोट की लपेट में ले लिया—

* उपरोक्त के बारे में जानने के लिए अवश्य पढ़िए 'फिर आया नागदंत'

nlaan.coolbadel.fi

अचानक मंदिर की तरफ बढ़ते नागराज ने अपना रास्ता बदल लिया—
ऐ भाई! सड़क पर देखकर नहीं चलते हो, मरना है क्या?
एक झटके से नागराज पीछे घूमा—
ओह... ए... ये क्या, इन आदमी की आँखें!
बाकी के शब्द उसके गले में अटककर रह गए क्योंकि—
ईया
वह हवा में लहरा गया था—
और जब तक वह संभलता, नागराज उसकी कार लेकर उड़नछू हो चुका था—
अरे, कोई पकड़ो, वह मेरी कार लेकर भागा जा रहा है।
नागराज और कार चोर?

खजुराहो से चालीस किलोमीटर दूर स्थित यह नेशनल एटॉमिक पॉवर स्टेशन। यह अत्यन्त गोपनीय बात थी कि इस पॉवर स्टेशन में परमाणु बम का निर्माण किया जा रहा है—
यही कारण है कि यहां मौजूद मुस्तैद सुरक्षा कर्मियों की निगाहों से बचकर कोई परिन्दा भी पॉवर स्टेशन में पर नहीं मार सकता—
NATIONAL ATOMIC POWER STATIO
PROHIBITED AREA
लेकिन ये क्या? आज कौन पहुंचा है यहां?
फूऊऊऊ
नागराज—
PROHIBITED AR
हल्की सी विष-फुंकार से इन्हें बेहोश करना ही काफी है।
चन्द दो सुरक्षाकर्मी गोलियां चलाने में सफल हो ही गए, लेकिन—
तड़ तड़ तड़तड़तड़ाड़
नागराज पर भला गोलियों ने कहां असर किया है—
फिर पल भर बाद ही गोलियां चलाने वाले बेहोशी के आगोश में डुबकी लेने लगे—
और उन्हें बेहोश करने वाला नागराज आगे बढ़ गया—

कुछ ही पलों बाद नागराज एटॉमिक पॉवर स्टेशन की मुख्य प्रयोगशाला में नजर आ रहा था—
इन सबको सम्मोहित करना होगा!
सम्मोहन सम्राट नागराज के सम्मोहन का अब जादू चला तो—
मैं कहां हूं?
मैं कौन हूं?
तुम इस समय मेरे आदेश का गुलाम है!
हां, यहां क्या हो रहा है?
सम्मोहन के जादू में बंधे वैज्ञानिक ने ओ-ओ नागराज को बताया—
सुनकर उसकी आंखें हैवान की मानिन्द चमक उठीं—
परमाणु बम! भारत का पहला परमाणु बम बनकर तैयार हो चुका है लेकिन अगर ये परमाणु बम ब्लास्ट हो जाए तो भारत में ऐसी तबाही मचेगी कि बच्चा-बच्चा नागराज के नाम से थर्रा उठेगा और फिर...
...और फिर जो होगा उसे सारी दुनिया देखेगी। हाहा हा!
हा हा
हा हा हा हा
हा हा हा हा
एक पल बाद ही एटॉमिक पॉवर स्टेशन में गूंज उठे उस तेज सायरन की आवाज ने वहां मौजूद प्रत्येक इंसान के रौंगटे खड़े कर दिए—
हीं ई ई ई ई
इस सायरन के बजने का एक ही मतलब है जो परमाणु बम यहां रखा हुआ है वह फटने जा रहा है।
हे भगवान! ये तो अनर्थ हो जाएगा!

कंट्रोल लैब की तरफ भागो, वहां मौजूद वैज्ञानिकों के साथ मिलकर हम उस बम को डिफ्यूज करने की कोशिश कर सकते हैं।
लेकिन कंट्रोल लैब में पहुंचा हर शख्स भागे अड़ होकर रह गया—
हा हा हा! मैंने परमाणु बम से संबंधित कंट्रोल पैनल को एकदम नष्ट कर दिया है अब बम को फटने और भारत में भीषण तबाही होने से कोई नहीं रोक सकता, और ऐसा होने में सिर्फ कुछ ही मिनट लगेंगे। हा हा हा!
कड़ाक
हटो मेरे रास्ते से, अब मेरा काम खत्म हुआ। जाने दो मुझे। हा हा हा।
ओह!
एक गार्ड ने नागराज पर कर दिया वह वार—
तूने लाखों की जान खतरे में डाल दी है, तू यहां से बचकर नहीं जा सकता।
ताड़
आ ह!
सिर पर लगी उस चोट से नागराज कराह उठा—
और फिर नागराज को संभलने से पहले ही कई सुरक्षाकर्मियों ने उसे जकड़ लिया—
इसके मुंह पर काबू करो ताकि ये हमें अपनी विष-फुंकार से बेहोश न कर सके।
अरे! ये क्या कर रहे हो तुम? क्यों पकड़ रखा है तुमने मुझे? क्या कुसूर है मेरा?
मैं तो खजुराहो के मंदिरों के पास था फिर ये मैं कहां आ गया हूं? मैं यहां कैसे पहुंचा? और मुझे ऐसा क्यों लग रहा है जैसे मैं अभी-अभी नींद से जागा हूं।

नागराज को जब अपना कुसूर पता चला तो वह सन्न रह गया –
उफ! नहीं! मैंने... मैंने यहां रखे परमाणु बम को ऐसी स्थिति में ला दिया है कि वह कुछ ही देर बाद फटकर लाखों की जिन्दगी को मौत के मुंह में धकेल दे! उफ!
मैं ऐसा नहीं कर सकता!
तुमने ऐसा ही किया है नागराज! यहां मौजूद प्रत्येक इन्सान यह जानता है!
ओह! अगर ऐसा है तो छोड़ो मुझे! मैं कोई ऐसा प्रबंध करने की कोशिश करता हूं जिससे परमाणु बम को फटने से रोका जा सके!
तुम्हारी बातों में आकर तुम्हें छोड़ने जैसी बेवकूफी अब हम नहीं करेंगे नागराज, क्योंकि हम जानते हैं कि छूटने के साथ ही तुम बम को फटने से रोकने का प्रयास करते वैज्ञानिकों पर हमला बोल दोगे।
ओह! इस तरह ये लोग मेरी बात मानने को राजी नहीं, अब तो मुझे अपने को छुड़ाने का दूसरा तरीका अपनाना पड़ेगा!
और वह दूसरा तरीका है ये!
माफ करना दोस्तो, जो अभी भूल मैं कर चुका हूं, उसे सुधारने का मौका हासिल करने के लिए...
... यह करना जरूरी हो गया है!

गार्डों के होश ठिकाने लगाने के बाद—
धाड़
पलटता हुआ नागराज, एक भागते हुए वैज्ञानिक से टकरा गया—
क्या हुआ प्रोफेसर! आप सब लोग यूं भाग...
भागो! तुम भी भागो, परमाणु बम को फटने से रोकने के लिए हमने जो प्रयास करने थे वे सब कर के देख लिए। अब कुछ नहीं हो सकता, बम हर हाल में फटेगा। दो मिनट बाद। इन दो मिनटों में भागकर अपनी जान बचा सकते हो तो बचाओ।
एक मिनट प्रोफेसर! कंट्रोल पैनल के सिवा क्या और कोई ऐसा साधन नहीं है जिससे परमाणु बम को फटने से रोका जा सके!
मैं तुम्हें कुछ नहीं बताऊंगा क्योंकि तुम ही होने वाली तबाही के जिम्मेदार हो!
इसका मतलब कोई दूसरा हल भी है...
...और वह क्या है ये तुम्हें मुझे बताना ही होगा प्रोफेसर!

सम्मोहन में फंसे प्रोफेसर ने तुरन्त ही बोलना शुरू कर दिया-
परमाणु बम जहां रखा हुआ है ठीक उसके नीचे उसकी पॉवर बैटरी, कंट्रोल वायरें वगैरहा फिट हैं, जो एक अंडरग्राउंड रास्ते से जाकर हमने वहां फिट की हुई हैं। उस रास्ते से जाकर अगर कोई उस पॉवर बैटरी और कंट्रोल वायरों को काट दे तो बम को फटने से रोका जा सकता है...
...लेकिन ऐसा होना इसलिए असंभव है क्योंकि एक तो इस समय तक वहां तक पहुंचने वाले अंडरग्राउंड रास्ते पर फटने को तैयार परमाणु बम से उत्सर्जित हुई गर्मी का तापमान काफी अधिक हो गया होगा, जिसे आम आदमी नहीं सह सकता...
...और ऊपर से सिर्फ दो मिनट में कोई भी इंसान परमाणु बम के नीचे फिट उस बैटरी व वायरों तक नहीं पहुंच सकता क्योंकि वे सभी बम के काफी अन्दरूनी हिस्से में लगी हुई हैं, वहां तक पहुंचने के लिए काफी सामान को खोलना पड़ेगा जो इतने कम समय में हरगिज नहीं हो सकता। फिर बताओ कोई मनुष्य वहां तक कैसे पहुंच सकता है।
आप कुछ भी हो प्रोफेसर, मैं वहां तक पहुंचने की कोशिश जरूर करूंगा।
जल्द ही नागराज परमाणु बम के ठीक नीचे पहुंचने वाले अंडरग्राउंड रास्ते पर भागा जा रहा था—
सचमुच यहां काफी गर्मी है। लेकिन मेरे शरीर पर नागों की विशेष खाल होने की वजह से मैं इसे कुछ समय तक जरूर सह सकता हूं, और यही कुछ समय मेरे लिए काफी होगा।
अचानक भागता-भागता नागराज औंधे मुंह गिरा—
?

mian.cooldude13

mlaan.cooldude1...

* नागराज के इच्छाधारी रूप और सौगन्ध के विषय में जानने के लिए पढ़ें- '...' और '...'

mzaan.coolbadel1

इसलिए अब समय है यह देखने का कि मेरी नागशक्तियां मेरे बुलाने पर क्यों नहीं आईं? कौन है जो मेरे मस्तिष्क को अपने वश में कर लेता है, और किसकी हैं वे नागशक्तियां जो मेरे शरीर में वास कर रही हैं...
नागराज योग मुद्रा में बैठ गया–
...ये सब जानने के लिए मुझे अपनी योग क्रिया का सहारा लेना होगा!
धीरे-धीरे उसके शरीर से निकलने लगीं सभी नागशक्तियां –
उन्हीं के साथ निकला वह अनोखा नाग भी–
जो तेजी से एक तरफ सरक गया–
नागराज ने अपनी आंखें खोलीं तो वह हैरान रह गया–
ओह! ये सब तो मेरी ही नागशक्तियां हैं तो वे नागशक्तियां कहां गईं जो मेरे शरीर से निकलकर मेरे ही विरुद्ध हो गई थीं।
ये शक्तियां मेरी थीं, नागराज!
...मैं जो तुम्हारे शरीर से बाहर निकला तो वे भी मेरे साथ ही निकल गईं।
नागदंत! तो... तुम!
हां, नागराज मैं! मैं ही तुम्हारी इन नागशक्तियों के साथ नागरूप में तुम्हारे शरीर में उस समय समा गया था, जब वे मेरे भेजे गए दुहाडुहू को लेकर तुम्हारे शरीर में समाई थीं।

और अब मैं तुम्हारे शरीर में समा ही गया था, तो फिर मेरे लिए तुम्हारी नागशक्तियों और तुम्हारे मस्तिष्क पर कब्ज़ा करना कौन सी बड़ी बात थी !
और फिर मुझे प्राप्त होता विश्व सम्राट का ताज और नागराज के हत्यारे का खिताब।
एक बात और तुम्हारे दिमाग में खलबली मचा रही होगी नागराज, और वो ये कि मैं अग्नि के ज्वालामुखी से बचकर कैसे निकल आया?
इसका सीधा सा जवाब यह है कि जिस समय ज्वालामुखी फटा उस समय मैं ज्वालामुखी में था ही नहीं। मैं तो उससे कहीं पहले ही बाहर भाग कर...
और इसके पीछे मेरा उद्देश्य यह था कि मैं तुम्हें पूरे विश्व में इतना बदनाम करवाना चाहता था कि तुम स्वयं ही आत्महत्या करने के लिए मजबूर हो जाते।
क्रोध से फुंकार उठा नागराज—
...अतीत में जाने के लिए बनाया हुआ वहाँ से बहुत पहले निकल गया था—
अच्छा हुआ तूने सभी सवालों का जवाब दे दिया नागदंत, वरना मुझे ये मलाल जीवनभर रहता कि तेरे साथ ही मेरे सभी सवाल खत्म हो गए।
और नागशक्तियों के बिना तू नागदंत के सामने कमज़ोर बच्चा है। जिसको नागदंत अब चाहे मरोड़ सकता है।
वार करने को आगे बढ़ा नागराज...
...लेकिन वार करने में सफल हुआ नागदंत—
धाड़.
हा हा हा ! तू मुझे मारेगा नागराज, जबकि अब तेरा मेरा कोई मुकाबला नहीं है। तेरी सभी नागशक्तियाँ मेरे वश में पड़ी हुई हैं।

इन विष फुंकार का कमाल किसी ऐरे-गैरे नत्थूखैरे को जाकर दिखा नागराज! नागदंत के सामने अब तेरी एक नहीं चल सकती!
नागदंत के सामने बौना साबित हो रहा नागराज...
...ज्यादा देर नहीं टिक पाया—
नागदंत का एक वार तेरी जिंदगी खत्म कर सकता है नागराज! लेकिन नहीं, एक झटके में तुझे मौत देकर मैं तेरी मौत को आसान नहीं बनाना चाहता मैंने तो तेरे लिए ऐसी मौत सोच रखी है जिसमें तू तिल-तिल करके मरेगा!
ध्यान से देख नागराज, आज जो तुझे मौत देने आ रही है वे तेरी ही नागशक्तियाँ हैं। तेरे ही शरीर में वास करने वाले नाग फांसी के फंदे के रूप में तेरे गले में पड़े हैं और उन्हीं के ढेर पर तू खड़ा हुआ है, और ज्यों-ज्यों एक-एक करके ये ढेर के रूप में तेरे पैरों के नीचे मौजूद नाग वहां से सरकते रहेंगे त्यों-त्यों मौत तेरे नजदीक आती चली जायेगी!
और नागों के ढेर के पूरी तरह हटने के साथ ही फांसी के फंदे से लटककर तू मर जायेगा...
नागराज का अंत! हा हा हा!
क्रमशः

जापान आर्ट प्रेस, नई दिल्ली-28 द्वारा मुद्रित. ☎ 5708884